केन्द्रीय विद्यालय संगठन , जबलपुर संभाग

पूर्व परिषदीय परीक्षा, 2025-26

कक्षा – 10वीं

विषय - हिंदी 'अ' (कोड -002)

निर्धारित समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश :

(i) इस प्रश्न पत्र में चार खंड है- खंड 'क', खंड 'ख', खंड 'ग' और खंड 'घ' ।

(ii) इस प्रश्न पत्र में कुल 15 प्रश्न है । सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(iii) प्रश्न-पत्र में आंतरिक विकल्प दिए गए है ।

(iv) प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए ।

खंड - क

(अपठित बोध) (14 अंक)

---

1. नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 7 अंक

पाठक आमतौर पर रूढ़िवादी होते हैं, वे सामान्यतः साहित्य में अपनी मर्यादाओं की स्वीकृति या एक स्वप्न-जगत में पलायन चाहते हैं। साहित्य एक झटके में उन्हें अपने आस-पास के उस जीवन के प्रति सचेत करता है, जिससे उन्होंने आँखें मूँद रखी थीं। शुतुरमुर्ग अफ्रीका के रेगिस्तानों में नहीं मिलते, वे हर जगह बहुतायत में उपलब्ध हैं। प्रौद्योगिकी के इस दौर का नतीजा जीवन के हर गोशे में नकद फसल के लिए बढ़ता हुआ पागलपन है और हमारे राजनीतिज्ञ, सत्ता के दलाल, व्यापारी, नौकरशाह सभी लोगों को इस भगदड़ में नहीं पहुँचने, जैसा दूसरे करते हैं वैसा करने, चूहादौड़ में शामिल होने और कुछ-न-कुछ हासिल कर लेने को जिए जा रहे हैं।

हम थककर साँस लेना और अपने चारों ओर निहारना, हवा के पेड़ में से गुजरते वक्त पत्तियों की मनहर लय-गतियों को और फूलों के जादुई रंगों को, फूली सरसों के चमकदार पीलेपन को, लिखे मैदानों की घनी हरीतिमा को, मर्मर ध्वनि के सौंदर्य, हिमाच्छादित शिखरों की भव्यता, समुद्र तट पर पछाड़ खाकर बिखरती हुई लहरों के घोष को देखना-सुनना भूल गए हैं।

कुछ लोग सोचते हैं कि पश्चिम का आधुनिकतावाद और भारत तथा अधिकांश तीसरी दुनिया के नव-औपनिवेशिक चिंतन के साथ अपनी जड़ों से अलगाव, व्यक्तिवादी अजनबियत में हमारा अनिवार्य बे-लगाम धँसाव, अचेतन के बिंब, बौद्धिकता से विद्रोह, यह घोषणा कि दिमाग अपनी रस्सी के अंतिम सिरे पर है, यथार्थवाद का

विध्वंस, काम का ऐद्रिक सुख मात्र रह जाना और मानवीय भावनाओं का व्यवसायीकरण तथा निम्नस्तरीय-करण इस अंधी घाटी में आ फँसने की वजह है। लेकिन वे भूल जाते हैं कि आधुनिकीकरण इतिहास की एक सच्चाई है, जो नई समस्याओं को जन्म देने और विज्ञान को अधिक जटिल बनाने के बावजूद एक तरह से, मानव जाति की नियति है।

मेरा सुझाव है कि विवेकहीन आधुनिकता के बावजूद आधुनिकता की दिशा में धैर्यपूर्वक सुयोजित प्रयास होने चाहिए। एक आलोचक किसी नाली में भी झाँक सकता है, परंतु वह नाली-निरीक्षक नहीं होता। लेखक का कार्य दुनिया को बदलना नहीं, समझना है, साहित्य क्रांति नहीं करता, वह मनुष्यों का दिमाग बदलता है और उन्हें क्रांति की आवश्यकता के प्रति जागरूक बनाता है।

(i) "शुतुरमुर्ग अफ्रीका के रेगिस्तानों में नहीं मिलते, वह हर जगह बहुतायत में उपलब्ध हैं।"
उपर्युक्त कथन के आधार पर गद्यांश में 'शुतुरमुर्ग' की संज्ञा किसे दी गई है? 1

(क) लेखक, जो संसार को समझना चाहता है।

(ख) राजनीतिज्ञ, जो अपनी स्वार्थ साधना चाहता है।

(ग) पाठक, जो सपनों की दुनिया में रहना चाहता है।

(घ) नौकरशाह, जो दूसरों जैसा बनने की होड़ में शामिल है।

(ii) कथन पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए 1

(क) लोगों में 'नकद फसल के लिए पागलपन' बढ़ रहा है।

(ख) लोग तुरंत व अधिक-से-अधिक लाभ कमाना चाहते हैं।

(ग) 'क' और 'ख' दोनों

(घ) लोग तुरंत लाभ कमाना नहीं चाहते हैं

(iii) लेखक के अनुसार, गद्यांश पढ़कर बताइए कि साहित्य क्या कार्य करने के लिए प्रेरित नहीं करता है? **1**

(1) लोगों को यथार्थ से अवगत कर बदलाव लाने के लिए।

(2) लोगों को जीवन की समस्याओं को भुला आगे बढ़ते जाने के लिए।

(3) लोगों को यथार्थवाद का विध्वंस करने के लिए।

(4) लोगों को भावनाओं व ऐंद्रिक सुख से ऊपर उठ कार्य करने के लिए।

(क) केवल कथन (i) सही है।

(ख) कथन (i), (ii) और (iii) सही हैं।

(ग) कथन (ii), (iii) और (iv) सही हैं।

(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(iv) गद्यांश के अनुसार, आधुनिकता की दिशा में कैसे प्रयास होने चाहिए? **2**

(v) पाठक सामान्य तौर पर क्या अपेक्षा रखते हैं? **2**

---

2. नीचे दिए गए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए - **7 अंक**

कैसे बेमौके पर तुमने
ये मज़हब के शोले सुलगाए।
मानव-मंगल-अभियानों में
जब नया कल्प आरंभ हुआ
जब चंद्रलोक की यात्रा के
सपने सच होने को आए।
तुम राग अलापो मज़हब का
ईश्वर को बदनाम करो,
नापाक हरकतों में अपनी
रूहों को कत्लेआम करो !
हम प्रजातंत्र में मनुष्यता
के मंगल-कलश सँवार रहे

हर जाति-धर्म के लिए
खुला आकाश-प्रकाश पसार रहे।
उत्सर्ग हमारा आज
हिमालय की चोटी छू आया है।
सदियों की कालिख को हमने
बलिदानों से धोना है
मानवता की खुशहाली की
हरियाली फ़सलें बोना है।
बढ़-बढ़कर बातें करने की
बलिदानी रटते बान नहीं
इतना तो तुम भी समझ गए
यह कल का हिंदुस्तान न

(i) कविता के अनुसार, मजहब के शोले सुलगाने का यह मौका नहीं है, क्योंकि

कथन पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए 1

(क) धर्म के द्वारा नफ़रत फैलाने का मौका नहीं है

(ख) आज के युग में इन बातों का कोई स्थान नहीं है

(ग) प्रगतिशील दृष्टिकोण ऐसी बातों को बेतुकी मानता है

(घ) उपर्युक्त सभी

(ii) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए।

कथन (A) 'मजहब का राग' अप्रासंगिक है, क्योंकि प्रजातंत्र

कारण (R) समाज को संकुचित दृष्टिकोण से नहीं देखता। 1

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं

(ग) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं

(घ) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है

(iii) "मानवता की खुशहाली की हरियाली फसलें बोना है" का आशय है — **1**

(क) कृषि का विकास करना

(ख) हरियाली फैलाना

(ग) देश में नए पौधे लगाना

(घ) मानवता, प्रेम और सुख के बीज बोना

(iv) पद्यांश में 'मजहब के शोले' से क्या तात्पर्य है? **2**

(v) 'हरियाली फसलें बोना है।' का क्या आशय है? **2**

खंड – ख

(व्यावहारिक व्याकरण) **(16 अंक)**

---

3. निर्देशानुसार वाक्य भेद पर आधारित निम्न 5 प्रश्नों में से किन्ही 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए - **1x4=4**

(i) खीरे के स्वाद के आनंद में नवाब साहब की पलकें मुँद आईं। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ii) कानाफूसी हुई और मूर्तिकार को इजाज़त दे दी गई। (सरल वाक्य में बदलिए)

(iii) पिताजी के व्यक्तित्व के कुछ सकारात्मक पहलू गिरती आर्थिक स्थिति के कारण नष्ट हो गए ।

(संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(iv) 'नेताजी की आँखों पर चश्मा था लेकिन संगमरमर का नहीं था। (रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद लिखिए)

(v) जब हम बनावटी चिड़िया को चट कर जाते, तब बाबूजी खेलने के लिए ले जाते। (आश्रित उपवाक्य का भेद लिखिए)

---

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित निम्न 5 प्रश्नों में से किन्ही 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए -
1x4=4

(i) मई महीने में शीला अग्रवाल को कॉलेज वालों ने नोटिस थमा दिया। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ii) उसके द्वारा गिने-चुने फ़्रेम नेताजी की मूर्ति पर फिट कर दिए जाते हैं। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(iii) मन्नू घर की चारदीवारी के भीतर नहीं बैठ सकती थी। (भाववाच्य में बदलिए)

(iv) कैप्टन द्वारा चश्मा बदल दिया जाता है। (वाच्य पहचानकर भेद बताइए)

(v) सामान्यतः जब क्रिया कर्म के अनुसार होती है, तब कौन -सा वाच्य होता है?

---

5. 'पद-परिचय' पर आधारित निम्न 5 प्रश्नों में से किन्ही 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए - **1x4=4**

(i) बालगोबिन भगत मँझोले कद के <u>गोरे-चिट्टे</u> आदमी थे। रेखांकित पद का पद -परिचय लिखिए ।

(ii) रसोई को <u>वे</u> भटियारखाना कहते थे। रेखांकित पद का पद -परिचय लिखिए ।

(iii) 'मुझे बाजार से <u>कुछ</u> सामान लाना है।' रेखांकित पद का पद -परिचय लिखिए ।

(iv) '<u>वाह भई</u>! ये आइडिया भी ठीक है।' रेखांकित पद का पद -परिचय लिखिए ।

(v) 'सुरेश एक <u>साहसी</u> पुरुष है।' रेखांकित पद का पद -परिचय लिखिए ।

प्रश्न 6. अलंकार आधारित निम्न 5 प्रश्नों में से किन्ही 4 प्रश्नों की काव्य पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार की पहचान करके लिखिए ।

(1x4=**4)**

(i) "आगे नदियाँ पड़ी अपार, घोड़ा कैसे उतरे पार, राणा ने सोचा इस पार, तब तक चेतक था उस पार।

(ii) बीती विभावरी जाग री। अंबर पनघट में डुबो रहीं, ताराघट उषा नागरी।

(iii) "संतौ भाई आई ज्ञान की आंधी रे।

(iv) मधुकर सरिस संत, गुण ग्राही ।

(v) "सखि सोहत गोपाल के, उर गुंजन की माल।
बाहर लसत मनो पिये, दावानल की ज्वाल।।"

खंड – ग

(पाठ्य-पुस्तक एवं पूरक पाठ्य-पुस्तक) (30 अंक)

---

7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सबसे उचित विकल्प चुनकर लिखिए - 1x5=5

हालदार साहब की आदत पड़ गई, हर बार कस्बे से गुजरते समय चौराहे पर रुकना, पान खाना और मूर्ति को ध्यान से देखना। एक बार जब कौतूहल दुर्दमनीय हो उठा तो पानवाले से ही पूछ लिया, "क्यों भई! क्या बात है? यह तुम्हारे नेताजी का चश्मा हर बार बदल कैसे जाता है? पानवाले के खुद के मुँह में पान ठुसा हुआ था। वह एक काला, मोटा और खुशमिजाज आदमी था। हालदार साहब का प्रश्न सुनकर वह आँखों ही आँखों में हंसा उसकी तोंद थिरकी। पीछे घूमकर उसने दुकान के नीचे पान थूका और अपनी लाल-काली बत्तीसी दिखाकर बोला, "कैप्टन चश्मेवाला करता है।"

प्रश्न (i) मूर्ति का चश्मा कौन बदलता था?

(क) हालदार साहब

(ख) पानवाला

(ग) कैप्टन चश्मेवाला

(घ) मूर्ति बनाने वाला

प्रश्न (ii) गद्यांश से किस प्रकार का व्यंग्य प्रकट होता है?

(क) धार्मिक व्यंग्य

(ख) सामाजिक व्यंग्य

(ग) राजनीतिक व्यंग्य

(घ) हास्य व्यंग्य

प्रश्न (iii)

कथन (A): हालदार साहब हर बार कस्बे से गुजरते समय चौराहे पर रुकते थे।
कारण (R): वे पान खाना और नेताजी की मूर्ति को ध्यान से देखना पसंद करते थे।

विकल्प:

(क) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R) (A) का सही कारण है।

(ख) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परंतु (R) (A) का सही कारण नहीं है।

(ग) (A) सत्य है, पर (R) असत्य है।

(घ) (A) असत्य है, पर (R) सत्य है।

प्रश्न (iv) कथन (A): पानवाला हालदार साहब से बात करते समय नाराज़ हो गया।

कारण (R): हालदार साहब ने उसकी दुकान की बुराई की थी।

विकल्प:

(क) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R) (A) का सही कारण है।

(ख) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परंतु (R) (A) का सही कारण नहीं है।

(ग) (A) सत्य है, पर (R) असत्य है।

(घ) (A) और (R) दोनों असत्य हैं।

प्रश्न (v) कथन (A): हालदार साहब को मूर्ति का चश्मा हर बार बदलता हुआ दिखाई देता था।

कारण (R): मूर्ति का चश्मा 'कैप्टन चश्मेवाला' बदल देता था।

विकल्प:

(क) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R) (A) का सही कारण है।

(ख) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परंतु (R) (A) का सही कारण नहीं है।

(ग) (A) सत्य है, पर (R) असत्य है।

(घ) (A) असत्य है, पर (R) सत्य है।

---

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>तीन प्रश्नों</u> के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- (2x3=6)

(क) 'बालगोबिन भगत' पाठ में लेखक ने किस सामाजिक समस्या का समाधान प्रस्तुत करने का प्रयास किया है?

(ख) 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर लेखिका के पिताजी के सकारात्मक गुणों का वर्णन कीजिए ?

(ग) 'लखनवी अंदाज़' लेखक ने खीरा खाने की इच्छा होने पर भी उन्होने खीरा खाने से इंकार क्यों किया?

(घ) सच्चे अर्थों में 'संस्कृत व्यक्ति' किसे कहा जाता है? संस्कृति पाठ के आधार पर तर्क सहित लिखिए ।

---

9. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सबसे उचित विकल्प चुनकर लिखिए - 1x5=5

मधुप गुन-गुनाकर कह जाता कौन कहानी यह अपनी,

मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी।

इस गंभीर अनंत-नीलिमा में असंख्य जीवन-इतिहास

यह लो, करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य-मलिन उपहास

तब भी कहते हो-कह डालूँ दुर्बलता अपनी बीती।

तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे-यह गागर रीती।

किंतु कहीं ऐसा न हो कि तुम ही खाली करने वाले –

अपने को समझो, मेरा रस ले अपनी भरने वाले।

(i) कवि पद्यांश में किसके माध्यम से अपनी कथा का उल्लेख करते हैं?

(क) तितली

(ख) फूल

(ग) भौरें

(घ) चंद्रमा

(ii) कवि के अनुसार, उसके खाली जीवन को देखकर किसे सुख प्राप्त होगा?

(क) पुत्र को

(ख) मित्रों को

(ग) समाज को

(घ) पत्नी को

(iii) कवि का आत्मस्वीकार किस बात का द्योतक है?

(क) विनम्रता और आत्मचिंतन का

(ख) अहंकार का

(ग) असावधानी का

(घ) महत्वाकांक्षा का

(iv) कवि ने अपने मन को किसके समान बताया है?

(क) समुद्र के समान

(ख) प्रकृति के समान

(ग) खाली गागर के समान

(घ) खाली समुद्र के समान

(v) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

1. कवि के जीवन की इच्छाएँ उचित वातावरण न पाकर मुरझाकर गिर रही हैं।

2. महान पुरुषों की कथाओं को पढ़कर ऐसा लगता है जैसे वह स्वयं का उपहास करते हैं।

3. कवि अपने जीवन में अनेक सुखों का आनंद ले चुके थे।

इन कथनों में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

कूट

(क) कथन केवल 1 (ख) कथन 1 और 2

(ग) कथन 2 और 3 (घ) कथन केवल 3

---

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- 2x3=6

(क) गोपियों ने श्री कृष्ण के प्रति अपने एकनिष्ठ प्रेम को किन उदाहरणों के द्वारा स्पष्ट किया है?

(ख) 'उत्साह' कविता में '**धराधार**' कौन है? कवि उससे क्या चाहता है ? स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'संगतकार' कविता के आधार पर 'संगतकार' किस प्रकार के व्यक्ति का प्रतीक है?

(घ) आत्मकथ्य न लिखने के लिए कवि ने क्या कारण बताएँ है? उनमें से किन्ही दो कारणों का उल्लेख कीजिए ।

---

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही <u>दो प्रश्नों</u> के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए- 4x2=8

(क) 'माता का अंचल' नामक पाठ में लेखक ने तत्कालीन समाज के पारिवारिक परिवेश का जो चित्रण किया है, उसे अपने शब्दों में लिखिए ।

(ख) पर्यावरण को संरक्षित करना मनुष्य का नैतिक कर्तव्य है। इसे संरक्षित करने में आपकी क्या भूमिका हो सकती है? 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ को दृष्टि में रखते हुए उत्तर लिखिए ।

(ग) विज्ञान का दुरुपयोग कहाँ-कहाँ और किस तरह से हो रहा है? 'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ के आधार पर लिखिए।

खंड – घ

रचनात्मक बोध (20 अंक)

---

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत -बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 -120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए :- (6x1=6)

(क) पेड़ों का महत्त्व

संकेत बिंदु :- प्रकृति की संतान, पर्यावरण, हमारा कर्तव्य

(ख) पहला सुख निरोगी काया

संकेत बिंदु :- खेलों की उपयोगिता, खेल और स्वास्थ्य का संबंध, हमारा कर्तव्य

(ग) सयुंक्त परिवार

संकेत बिंदु :- संयुक्त परिवार का अर्थ, संबंधों में पड़ती दरार, सयुंक्त परिवार के लाभ

---

13. आपका नाम दिवा / दानिश है। आपके क्षेत्र में फैल रहे मलेरिया संक्रमण बहुत तेजी से फ़ेल रहा है ,को ध्यान में रखते हुए आपके क्षेत्र की सफाई व्यवस्था के बारे के अवगत कराते हुए संबंधित स्वास्थ्य अधिकारी को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

(5x1=5)

अथवा

आपका नाम दिवा / दानिश है। प्रथम प्री-बोर्ड परीक्षा में आपकी शैक्षणिक प्रगति संतोषजनक नहीं रही। इसकी सूचना विद्यालय की ओर से आपके पिताजी को भेजी गई थी। इस संदर्भ में अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए पिताजी को भावी प्रगति के बारे में आश्वासन देते हुए पत्र लिखिए।

---

14. आपका नाम माही/ महेश है और आप एम. ए. एड. है। आपको केन्द्रीय विद्यालय अ.ब.स. नगर में हिन्दी प्राध्यापक पद के लिए आवेदन करना है । इसके लिए आप अपना एक संक्षिप्त स्ववृत (बायोडाटा) लगभग 80 शब्दों में तैयार कीजिए।

(5x1=5)

अथवा

आपका नाम माही/ महेश है। आपका बैंक ऑफ सागर में खाता है । उसमें आपने एटीएम कार्ड के लिए आवेदन किया था, जो एक माह बाद भी प्राप्त नही हुआ है । अतः महाप्रबंधक महोदय को शिकायत करते हुए लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल कीजिए ।

---

15. आपके दीदी और जीजाजी की पाँचवीं सालगिरह पर उन्हें शुभकामनाएँ देते हुए लगभग 40 शब्दों में एक बधाई संदेश लिखिए। **(4x1=4)**

अथवा

'स्वादिष्ट' रसगुल्ले बनाने वाली कंपनी के लिए 40 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

****